गोरा लिंग लेने की लालसा-1

“एक रिटायर्ड फौजी अफसर अजय का गोरा और सख्त लिंग पर अनायास नज़र पड़ी तो मेरा मन उस सुंदर लिंग को लेने के लिए बेचैन हो उठा और खुद पर काबू ना रख मैं अजय के बिस्तर पर चली गई और उसके लिंग से खेलने लगी.. ...”

Story By: (tpl)
Posted: गुरूवार, अप्रैल 30th, 2015
Categories: पड़ोसी
Online version: गोरा लिंग लेने की लालसा-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गोरा लिंग लेने की लालसा-1

लेखिका- रुचिका
सम्पादिका- टी पी एल

अन्तर्वासना के पाठकों को टी पी एल का प्रणाम !
आज मैं पाठकों के लिए अन्तर्वासना की एक पाठिका रुचिका के जीवन में घटी घटना का विवरण प्रस्तुत कर रही हूँ जिसे उसने लिख कर मुझे सम्पादित करने के लिए भेजी थी।
रुचिका से कुछ दिन पहले ही मेरा सम्पर्क हुआ था जब उसने मेरे द्वारा सम्पादित एक रचना 'कामना की कामवासना' और मुझसे अपने जीवन की घटना को अन्तर्वासना पर साझा करने की इच्छा प्रकट की।
रुचिका द्वारा लिखी रचना में मैंने भाषा सुधार, व्याकरण शुद्धि तथा घटना की निरंतरता को ठीक किया है और आपके मनोरंजन के लिए नीचे प्रस्तुत कर रही हूँ।
******

अन्तर्वासना के पाठकों को मेरा प्रणाम।
मेरा नाम रुचिका है लेकिन सभी मुझे रुचि कह कर ही पुकारते हैं, मैं झारखण्ड राज्य के बोकारो शहर में अपने पति विनय तथा आठ वर्षीय पुत्र अंकुश के साथ रहती हूँ।
विनय बोकारो स्टील प्लांट में इंजीनियर के पद पर काम करते है और हम बोकारो की एक आलीशान कॉलोनी में अपने दो बैडरूम वाले निजी घर में रहते हैं।

विनय से मेरा विवाह दस वर्ष पहले हुआ था जब मैं बाईस वर्ष की थी और उसके दो वर्ष बाद हमारे यहाँ अंकुश पैदा हुआ था।
अंकुश के जन्म के समय प्रसव में कुछ जटिलता हो जाने के कारण डॉक्टरों को ऑपरेशन करके मेरे गर्भाशय को भी निकलना पड़ा जिसके कारण मेरी संतान प्रजनन शक्ति में सदा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

के लिए अंकुश ही लग गया।
शादी के बाद पांच वर्ष तक तो हमारा पारिवारिक जीवन बहुत ही आनन्द से गुज़रता रहा लेकिन उसके बाद बढती महंगाई एवं पुत्र की पढ़ाई के खर्चे के कारण हमें घर का खर्चा चलने में कुछ कठिनाइयाँ आने लगी क्योंकि तब विनय एक साधारण पद पर कार्य करते थे और उनका वेतन भी बहुत अधिक नहीं था तथा उन्हें कार्य के लिए माह में पन्द्रह दिनों के लिए रात्रि की पारी में भी जाना पड़ता है।
उन कठिनाइयों को दूर करने के लिए तथा घर की आमदनी में बढ़ोतरी के लिए मैंने कुछ काम करने की सोची।

विनय से विचार विमर्श करने के बाद मैंने कंपनी में कार्य करने वाले कई कर्मचारियों के लिए घर में बना खाना डिब्बों में डाल कर उपलब्ध करना शुरू कर दिया।
मैने कंपनी के एक सुरक्षा कर्मचारी को उसके खाली समय में दोपहर और रात को खाने के डिब्बे ले जाकर उन कर्मचारियों को देने और फिर उन्हें साफ़ करके वापिस लाने के लिए अनुबंध कर लिया था।
इस तरह तीन वर्ष बहुत सफलता से बीत गए और मेरे द्वारा भेजा गया खाना कर्मचारियों को बहुत पसंद आया जिसके कारण खाने की मांग भी बढ़ गई और मेरी आमदनी भी।
बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए मुझे अपनी सहायता के लिए दो काम-वाली सहायक महिलाओं को और दो खाना पहुँचाने वाले सुरक्षा कर्मचारीयों को भी अनुबंध करना पड़ा था।

दो वर्ष पहले की बात है जब एक दिन मेरे एक खाना पहुँचाने वाले कर्मचारी ने मुझे बताया की दो दिन पहले ही हमारे सामने वाले फ्लैट में कंपनी के नए उच्च सुरक्षा अधिकारी मेजर अजय रहने के लिए आये हैं।
उसने यह भी बताया कि मेजर अजय एक रिटायर्ड फौजी अफसर हैं तथा अकेले रहते हैं और उन्हें खाने की कुछ दिक्कत आ रही है इसलिए वे चाहते हैं कि मैं उनके लिए भी खाने

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

का डिब्बा भिजवाया करूँ।
मेरे पूछने पर की उन्हें मेरे बारे में कैसे पता चला तब उसने बताया की कल किसी कर्मचारी ने उनको मेरा भेजा खाना खिलाया था जो उन्हें बहुत पसंद आया था।

उस दिन मैंने उनका दोपहर का खाना भिजवा दिया लेकिन साथ में यह भी कहला दिया कि वह शाम को मेरे घर आकर खाने के बारे में पूरी बात कर लेवें और खाने की अग्रिम राशि भी जमा करा देवें।

शाम को आठ बजे मेजर अजय खाने के बारे में बातचीत करने के लिए मेरे घर पर आये तब उनसे मालूम पड़ा कि उन्हें दोपहर का खाना ऑफिस में और रात का खाना उनके सामने वाले फ्लैट में चाहिए था।
इसके बाद अपने घर जाते हुए मेजर अजय ने अग्रिम ज़मानत के रूप में मुझे पांच हज़ार रूपये दिये और कहा कि उनका रात का खाना नौ बजे पहुँच जाना चाहिए।
क्योंकि काम-वाली सहायक महिलाएं और फैक्ट्री में खाना पहुँचाने वाले कर्मचारी तो आठ बजे चले जाते थे इसलिए मेजर अजय के घर खाना पहुँचाना एक समस्या बन गया।
अंत में विनय ने सुझाव दिया कि जिन दिनों उसकी दिन की पारी होती है उन दिनों में वह खाना दे आया करेगा और बाकी के दिनों में मुझे खुद ही यह बीड़ा उठाना पड़ेगा।
इस प्रकार विनय या मैं जब भी मेजर अजय को रात का खाना पहुँचाने जाते तब अंकुश भी साथ जाता था।

कुछ ही दिनों में अंकुश मेजर अजय के साथ इतना घुल-मिल गया था कि वह अकेला ही उनको खाना देने चला जाता और कभी कभी तो अपना खाना भी साथ ले जाता और उन्हीं के साथ बैठ कर खाता।
मैंने भी आपत्ति इसलिए नहीं की क्योंकि उसने मेजर अजय के साथ मेज पर बैठ कर भोजन करना सीख लिया था तथा वह उनसे शिष्टाचार की बातें भी सीख रहा था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कुछ ही दिनों में मैंने देखा की अंकुश घर पर भी मेज पर बैठ कर बहुत निपुणता से चम्मच, कांटे और छुरी से खाना खाने लगा था।
इस प्रकार छह माह बीत गए तब एक दिन विनय ने बताया कि स्टील प्लांट में एक नई मशीन लगाई जा रही है जिसका इंचार्ज उसे बनाया जायेगा और उसकी पदोन्नति भी हो जायेगी।

विनय ने यह भी बताया की इसीलिए अगले दो माह के लिए उसे भिलाई के स्टील प्लांट में वैसी ही एक मशीन पर प्रशिक्षण के लिए भेजा जा रहा था।
उन दिनों मेरे जीवन में थोड़ा अकेलापन तो आ गया लेकिन अपने को खाने के काम में व्यस्त रख कर तथा मैं और अंकुश आपस में ही समय को व्यतीत करने लगे।

विनय को भिलाई गए अभी दो सप्ताह ही हुए थे तब एक शाम अंकुश साइकिल चलते हुए गिर गया और उसके कान और सिर में काफी चोट आई।
मैंने जब उसे हॉस्पिटल ले जाने के लिए प्लांट के सुरक्षा विभाग में एम्बुलेंस के लिए फ़ोन किया तब मेजर अजय वहीं पर थे और उन्हें खबर मिलते ही वह भी हमारे घर आ गए।
उन्होंने अंकुश के उपचार के लिए हॉस्पिटल के डॉक्टर को तुरंत फ़ोन कर दिया और मेरे साथ ही खुद भी हॉस्पिटल गए।

जब डॉक्टर ने बताया की अंकुश के सिर की चोट गहरी थी और उसे रात भर हॉस्पिटल में ही रखना पड़ेगा तब मेजर अजय मुझे हॉस्पिटल में ही छोड़ कर घर गए।
वहाँ से वह अपने कपडे बदल कर तथा अपने एवं मेरे लिए खाना तथा आवश्यकता का सामान आदि ले कर वापिस आये और सारी रात मेरे साथ हॉस्पिटल में अंकुश के पास ही बैठे रहे।
मैंने जब विनय को अंकुश के बारे में फोन से बताते हुए रो पड़ी तब उन्होंने मुझसे फ़ोन ले कर उसे विस्तार से सब कुछ बताया और उसे ढाढस बंधाया कि उसे चिंता करने की जरूरत

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

नहीं है क्योंकि वह सारी व्यवस्था खुद देख रहे हैं।

अगले दिन अंकुश को हॉस्पिटल से छुट्टी मिल गई लेकिन डॉक्टर ने एक सप्ताह के लिए उसे बिस्तर पर ही लेटे रहने का परामर्श दिया।
हमारे घर पहुँचने के कुछ देर बाद विनय भी भिलाई से आ गए और अंकुश को ठीक देख कर राहत की सांस ली।
सब कुछ सामान्य होता देख कर विनय एक रात घर पर रुके और फिर वापिस भिलाई चले गए लेकिन जाते जाते मेजर अजय से हमारा ख्याल रखने के लिए आग्रह कर गए।
अगले सात दिन मेजर अजय सुबह सुबह अंकुश का पता करने चले आते थे लेकिन शाम को तो वह उसी के पास ही बैठे रहते और रात का खाना हमारे साथ ही खा कर देर रात को अपने घर जाते।
कई बार तो रात को अंकुश के सो जाने के बाद भी वह मेरे पास बैठे रहते और अपने तथा फ़ौज के बारे में बाते करते रहते थे।
उन सात दिनों में मेजर अजय हमारे घर के एक सदस्य की तरह ही हो गए और मुझे भी उनके साथ कुछ लगाव सा महसूस होने लगा था।
हर शाम अंकुश और मैं उनके आने का इंतज़ार करते रहते थे क्योंकि उनके आते ही घर का वातावरण बहुत ही प्रफुल्लित हो जाता था और हंसी के ठाहाके लगने लगते थे।
उनके बहुत आग्रह पर ही मैं उन्हें मेजर अजय या मेजर साहिब की जगह सिर्फ अजय कह कर पुकारने लगी थी।
सात दिनों के बाद जब डॉक्टर ने अंकुश का निरीक्षण किया तो बताया की सिर में चोट लगी थी इसलिए उसके मस्तिष्क के कुछ टेस्ट भी कराने आवश्यक थे जिसके लिए उसे रांची के बड़े हॉस्पिटल में ले जाना होगा।
क्योंकि बात अंकुश के मस्तिष्क के बारे में थी इसलिए मैंने विनय और अजय से विचार विमर्श करने के बाद उसी शाम अंकुश को ले कर अजय के साथ रांची के लिए निकल पड़ी।
देर रात से पहुँचने के कारण हमें होटल में ठहरने के लिए सिर्फ एक ही कमरा मिला जिस में

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

दो अलग अलग बैड लगे थे।
हमने होटल वाले से कह कर उस कमरे में अंकुश के लिए एक अतिरिक्त बैड भी लगवा लिया और हम तीनों अलग अलग बिस्तर पर सो गए।

आधी रात को मेरी नींद खुली और मैं मूत्र-विसर्जन के लिए बाथरूम में घुसी और उसकी लाइट जलाई तो देखा की अँधेरे में बाथरूम के अन्दर पॉट के पास अजय खड़ा हुआ मूत्र-विसर्जन कर रहा था।
उसने अपने हाथ में लगभग सात इंच लम्बा और ढाई इंच मोटा लिंग पकड़ा हुआ था जिस में से मूत्र की बहुत ही तेज़ धार निकल रही थी।
उसके एकदम गोरे और तने हुए अति आकर्षक लिंग को देख कर मैं अपनी सुध-बुध भूल कर गतिहीन हो गई और बहुत विस्मय से उसके लिंग की सुन्दरता को निहारती रही।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

मूत्र-विसर्जन समाप्त करके जब अजय मुड़ा और मुझे देखा तो उसने हडबडा कर अपने लिंग को अपने कपड़ों के अन्दर समेट लिया और मुझे सॉरी कहते हुए बाथरूम से बाहर चला गया।
अजय के बाहर जाने के बाद मैं मूत्र-विसर्जन करने के लिए पॉट पर बैठ गई और मन ही मन अजय के लिंग का विनय के लिंग के साथ तुलना करने लगी।

उन दोनों के लिंगों में जो भिन्नता मुझे समझ में आई वह कुछ इस प्रकार थी।
विनय का लिंग माप में आठ इंच लम्बा और डेढ़ इंच मोटा था जब की अजय का लिंग सात इंच लम्बा और ढाई इंच मोटा था।
विनय के लिंग अकार में थोड़ा टेढ़ा और बाएँ ओर को मुड़ा हुआ था जब की अजय का लिंग एकदम सीधा था।
दूर से विनय का लिंग तना हुआ होने के बावजूद भी थोड़ा झुका हुआ और नर्म दीखता था

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जबकि अजय का तना हुआ लिंग सीधा अकड़ा हुआ और बहुत ही सख्त दिखता था।

माप एवं अकार में भिन्नता का साथ साथ उन दोनों के लिंगों में ख़ास अंतर रंग का था क्योंकि विनय का लिंग सांवला था और काले बालों में छिप जाता था जब की अजय का लिंग बहुत ही गोरा था और काले बालों में भी चमक रहा था।
मूत्र-विसर्जन करने के बाद जब मैं बाथरूम से बाहर जाने लगी तब मैंने पाया कि दरवाज़े की कुण्डी टूटी हुई थी इसीलिए अजय द्वारा उसे लगाए जाने के बावजूद भी मेरे हाथ लगाते ही वह खुल गया था।

बाहर आई तो अजय को सोये हुए पाया तब मैं अपने बैड पर आ कर लेट गई और सोने की कोशिश करने लगी लेकिन वह मुझसे कोसों दूर थी।
आँखें बंद करती तो मुझे अजय के लिंग का वह दृश्य सामने घूमने लगता और मेरा उसके प्रति लगाव अब लालसा में बदलने लगा था।
पिछले तीन सप्ताह से मेरी अनछुई योनि में एक अजीब सी तथा अलग तरह की सनसनी सी होने लगी थी और मुझमें अजय के लिंग से संसर्ग का आनन्द लेने की लालसा जाग उठी।

एक और प्रश्न जो बार बार मेरे मन में उठ रहा था कि क्या अजय का लिंग मुझे और मेरी योनि को विनय के लिंग से अधिक आनन्द और संतुष्टि दे पायेगा या नहीं।
मैं एक घंटे तक इन्ही विचारों में खोई करवटें बदलती रही और बार बार घड़ी की सुइयों की सुस्त गति पर झुंझलाती रही।
अंत में रात दो बजे जब मेरी वासना की लालसा और यौन सुख पाने की तृष्णा पर नियंत्रण नहीं रख पाई तब मैं अपने बिस्तर से उठ कर अजय के पास जाकर लेट गई।

अजय की पीठ मेरी ओर थी और मैं उससे चिपक कर लेटे हुए उसके सीने को अपने हाथों से सहलाने लगी और अपनी जांघें तथा टांगों को उसकी जाँघों एवं टांगों के साथ रगड़ने

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लगी।

मेरी इस हरकत से अजय की नींद खुल गई और वह करवट बदला कर सीधा हो गया ओर अपना सिर ऊँचा करके अचंभित हो कर मेरी ओर देखने लगा।

अजय के सीधा होते ही मैंने अपने हाथ को उसके सीने सा हटा कर उसकी जाँघों पर ले गई और उसके लिंग तथा उसके अंडकोष को सहलाने लगी।

अजय ने 'नहीं, बिल्कुल नहीं…' कहते हुए मेरा हाथ को पकड़ कर हटाने की कोशिश की।

कहानी जारी रहेगी।

tpl@mail.com

कहानी का अगला भाग : गोरा लिंग लेने की लालसा-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Suck Sex

URL: www.sucksex.com **Average traffic per day:** 250 000 GA sessions **Site language:** English, Hindi, Tamil, Telugu, Marathi, Malayalam, Gujarati, Bengali, Kannada, Punjabi, Urdu **Site type:** Mixed **Target country:** India The Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action.

Tanglish Sex Stories

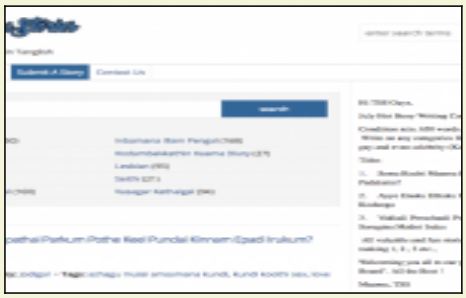

URL: www.tanglishsexstories.com **Average traffic per day:** 5 000 GA sessions **Site language:** Tanglish **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated hot erotic Tanglish stories.

Kannada sex stories

URL: www.kannadasexstories.com **Average traffic per day:** 13 000 GA sessions **Site language:** Kannada **Site type:** Story **Target country:** India Big collection of Kannada sex stories in Kannada font.

Kambi Malayalam Kathakal

URL: www.kambimalayalamkathakal.com **Average traffic per day:** 31 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Stories **Target country:** India Daily updated hot erotic Malayalam stories.

Wahed

URL: www.wahedsex.com/ **Average traffic per day:** 80 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Story **Target country:** Arab countries The largest library of hot Arabic sex stories that contains the most beautiful diverse sexual stories written in Arabic.

Tamil Kamaveri

URL: www.tamilkamaveri.com **Average traffic per day:** 113 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Story **Target country:** India Daily updating at least 5 hot sex stories in Tamil language.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire